### राजस्व विभाग

# युद्ध जागीर

## दिनोंक 20 सितम्बर, 1984

क्रमांक 1151-ज-II-84/26049.—श्री कन्ही राम, पुत था नोन्दा राम, गांव जोनावास, तिहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 19 नवम्बर, 1983 को हुई भून्य के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार मिधिनियम, 1948 (जैला कि उसे हरियाणा राज्य में अपन्ता गया है और उसमें माज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रमोग करते हुये श्री कन्ही राम की मुक्तिग 300 रुपये वाधिक की जागीर जी उसे हरियाणा गरकार की अधिभूचनां क्रमांक 435-ज-(I)-78/11024, दिनांक 17 अपल, 1973 तथा अधिमुचना क्रमांक 1789-ज(1)79/44040, दिनांक 30 मक्तुवर, 1979 हारा मंजूर की गई थी, सब उपको विधवा श्रीमती चान्दवाई के नाम दरीक, 1984 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के प्रन्तर्गत प्रदान करते हैं।

त्रमांक 1140-1-16-31/20053. — त्री रागित्वन, गुल जा नत्यू त्न, गांव दुवलधन (हाल जहाजगढ़), तर्मील प्रज्ञार, जिला रोइतक, की दिवाल 3 मह, 1981 का हुई मृत्यु क तिलामस्य म, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्तार प्रधितियमें, 1948 (जैसा कि उसहारवाणा राज्य में प्रथनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) का धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अवान प्रदान का गई शाक्तिया जा प्रथाणा करते हुए श्री राम सख्य की मृत्किण 300 रुपये वाधिक का जागीर जो उन हार्याणा सरकार का वावसूचना कमांक 2278-ज-11-72/32552, दिनांक 30 जगस्त, 1972 तथा प्रविस्वता अमिला 1789 जं-1-19/14010, रिशाह १० प्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, भग उनका विवास अमिला अन्त कार के नाम खराक, 1982 से 300 रुपय गांधिक की दर से सन्द में दी गई शर्वी के मन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1149-त-(11)-34/40357.-- वा की राम, पुन वा गुनन हो, गांव से रिया, नहसील झज्जर, जिला रोहतक, की दिनांक 27 सितस्बर, 1983 का दुई नृत्यु के परिणानस्वक्षित, हारयाणा के राज्य ता, पूर्वी पंजाब युद्ध जागीर पुरस्कार ग्रीधिनियम 1948 (जसार्थक उस हरियाणा राज्य म अपनाया करा है और उस में ग्राज तक संगोधन किया गया है) का धारा 4 एकं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शांतियों का प्रयोग करते हुए वी नित राम की नृष्किंग 300 कर्षों वास्तिक की आगोक जो उस हरियाणा सरकार की प्रधिनुचना क्रमांक 1149-ज -एन -111-66/2830, दिनांक 19 फरवरी, 1966, प्रधिनुचना क्रमांक 5041-प्रार-111-70/29305, दिनांक 8 दितम्बर, 1970 तथा 1789-जे-(1)--79/44040, दिनोंक 30 प्रानुपर, 1979 द्वारा वंतूर की गई थी, अब उसको विजना श्रीमती कृष्टिया के नाम रबी, 1984 से 300 इपए वर्षांवक का दर स सनद में दा गई पार्ता क मन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1413-4-1-31/20133.-- ना नै ति ति ति पूर्व औं में राम, गांव जनसुआ, तहसील व जिला धर्माला, की दिनाक 1 नेनहनर, 1977 का हुई पूर्व के गरिमानहन्दन, हारिताम के राध्यान, 14 विनाव वृद्ध पुरहितार धाधनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्यं म भ्रवनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 पव 2(ए) (1) तथा 3(1) के अप्रोन प्रेशन की गई भावे थीं का प्रयोग करते हुए श्री चैसाखा सिहा का मृत्वितम 200 वर्ष वापिक का जायार जा उत्त हरियाणा सरकार की आवस्त्रवना क्षमांक 1550-ए-111-६९/10232, दिनाक 30 अर्थल, 1969 जया आवस्त्रवना अमांक 5041-आए-1-70/29500, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हारा मंजूर मार्च या अप्र उत्ति-विजया आनात करने देश के नाम खरीक, 1973 व खरीक, 1979 तक 200 वर्ष तथा रवा, 980 से 350 घर्ष वापिक का दर से सनद में दो महि गती के अस्तात प्रधान करने हैं।

## दिनांकं 21 सितम्बर, 1984

कर्नाक 1150-म(11)-34/25155.--मा नातू रान, पुत्र मा मुनतो सिंह, गांव सुनारी कर्ना, तहसील व जिला रोहतक, की दिशांक 26 सितम्बर, 1983 की हुई मृंत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार प्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में सपनार्थी गया है भीर उसमें माज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के घंधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए भी मातू राम की मृहित्रण 300 रुपये वाषिक की जागीर जा उसे हरियाणा सरकार की एकिसूचना क्रमांक 5472-मार-4-67/3788, दिनांक 24 अक्तूबर, 1967;

प्रधिसूचना ऋगांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनोक 30 प्रक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, प्रव उसकी विध्वा श्रीमंती खजानी देवी के नाम रबी, 1984 से 300 रुप वे वाधिक की दर से सनद में दी गई शतों के प्रन्तानंत प्रदान करते हैं।

टी॰ पर• तुन्,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,:
'राजस्व विभाग।

#### FORESTS DEPARTMENT

The 21st September, 1984

No. 3310-Ft-II-84/1257).—La exercise of the powers conferred by sub-section (1) pf section 5 of the Haryana Forest Development Act, 1983, the Governor of Haryana is pleased to appoint the following as non-official members of the Haryana Forest Development Board with immediate effect:—

- (1) Shri Ram Parshad, Ex-MLA, Rewari (Mohindergath).
- (2) Comrade Nihal Singh, son of Siri Chimi Lal, V. & P. O. Mohuwala, district Hissar.
- 2. The term of the office of the non-official members shall be one year from the date of assuming the orige. In Green non-may, he were cartail the period of tenure at any time or extend it from time to time.
  - 3. The Headquarters of the Board will be at Chandigarh.
  - (4) The rate of T. A./D. A. of the non-official members will be the same as applicable to Grade-Lofficers of the State Government drawing Rs. 2,000 and above but less than Rs. 2,400 per measure. Fine experience involved will be met out from the sanctioned budget grant.
  - (5) This issues with the concurrence of Finance. Department conveyed,—vide their U.O. No. 2457-3-FD-III-84, dated 11th September, 1984.

No. 3008-Ft-II-84/12613.—The Covernor of Haryana is pleased to notify the result of the Departmental Examinations of the Officers of the Forests Department, Haryana, held in the month of June, 1984 as under:—

Serial No.	Name of Officer	Subject	Result
	Saryshri		<del> </del>
1	Phool Chand, H.F.S.	Forest Law	Fail
2	Jeet Ram, I.F.S.	Ditto	Fail ·
3	Om Parkash Kaushik, H.F.S.	Land Revenue	Fail
- 4	Vinod Kumar Ihajhria, H.F.S.	Ditto	Pass ·
.5	Maya Singh, H.F.S.	Ditto	Pass
6	Vinod Kumar Jhajhria, H.F.S.	Procedure and Accounts	Pass ,
7	Jeet Ram, I.F.S.	Ditto	Fail
8	S. S. Mann, HFS	Hindi	Pass

Ğ. L. BAILUR,

Financial Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Forests Department.